A-0218

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–302

Bachelor of Arts (BA)

(वेद एवं उपनिषद्)

3rd Year Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अक्ष सूक्त के मनोदशा का वर्णन कीजिए।

2. उपनिषदों में प्राप्त शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

3. इन्द्र देव के पराक्रम पर प्रकाश डालिए।

4. यजुर्वेद का अर्थ बताते हुए उनकी प्रमुख शाखाओं पर प्रकाश डालिए।

5. वेदांग का संक्षिप्त परिचय देते हुए शिक्षा नामक वेदांग का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ऋग्वेद के प्रमुख भाष्यकारों का परिचय लिखिए।

2. अन्य जायां परिमृशन्त्यस्य यस्याग्रधद् वेदने वाज्यक्ष्यः।

   पिता–माता भ्रातर एनमाहुः न जानीमो नयता बद्धमेतत॥

   मन्त्र की व्याख्या कीजिए।

3. बृहदारण्यकोपनिषद और कठोपनिषद का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

4. यः शश्वतो मध्योनो दधानान् अमन्य मानाञ्छर्वा जघान।

   यः शर्घते नानु ददाति शृधयां यो दस्योर्हन्ता स जनास इन्द्रः॥

   मन्त्र की व्याख्या कीजिए।

5. वैदिक व्याकरण की विशेषता पर प्रकाश डालिए।

6. तिस्रो रात्रीर्मदवास्सीर्गृहे में अनश्नन् ब्रह्मन्नतिथिर्नमस्यः।

   नमस्तेऽस्तु ब्रह्मन् स्वस्ति मेऽस्तु तस्मात्प्रति त्रीन्वरान्वृणीष्णा।

   मन्त्र की व्याख्या कीजिए।

7. श्रेय तथा प्रेय मार्ग का विवेचन कीजिए।

8. आरण्यक का सामान्य परिचय देते हुए तैतिरीय आरण्यक का वर्णन कीजिए।

****